राजा के लिए फिट

ऑरे शेल्डन

चित्र: रॉबर्ट स्वीटलैंड

राजा के लिए फिट

ऑरे शेल्डन

चित्र: रॉबर्ट स्वीटलैंड

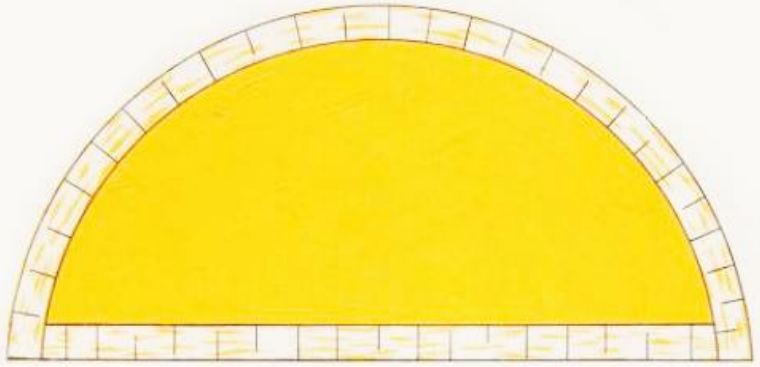

अपलैंड के राजा की एक समस्या थी. ऐसा नहीं था कि उनके राज्य में कोई वास्तविक संकट था. दरअसल, उनका राज्य एकदम शांतिपूर्ण था. नहीं, वो बात बिल्कुल अलग थी. महामहिम के पैर में चोट लगी थी! अब सभी लोग जानते हैं कि जब पैर में चोट लगती है तो फिर किसी चीज़ में मजा नहीं आता है. राजा का भी वही हाल था.

"हर बार जब मैं यह जूते पहनता हूँ तो मेरे पैरों में छाले पड़ जाते हैं," उन्होंने शिकायत की.

"फिर हम आपके लिए जूतों एक नई जोड़ी बनवा देंगे," रानी ने घोषणा की.

नए जूते बनाने के लिए शाही मोची को बुलाया गया. उसने सबसे बेहतरीन चमड़े का उपयोग किया, और कड़ी मेहनत की. लेकिन नए जूते पहले वाले से बेहतर नहीं निकले.

"नए जूते भी मेरे पैर में काटते हैं," राजा रोया.

"वे पूरी तरह से फिट हैं," मोची ने जोर देकर कहा, "आपको जल्द ही उनकी आदत पड़ जाएगी." लेकिन एक हफ्ते बाद भी जूते राजा को काट रहे थे.

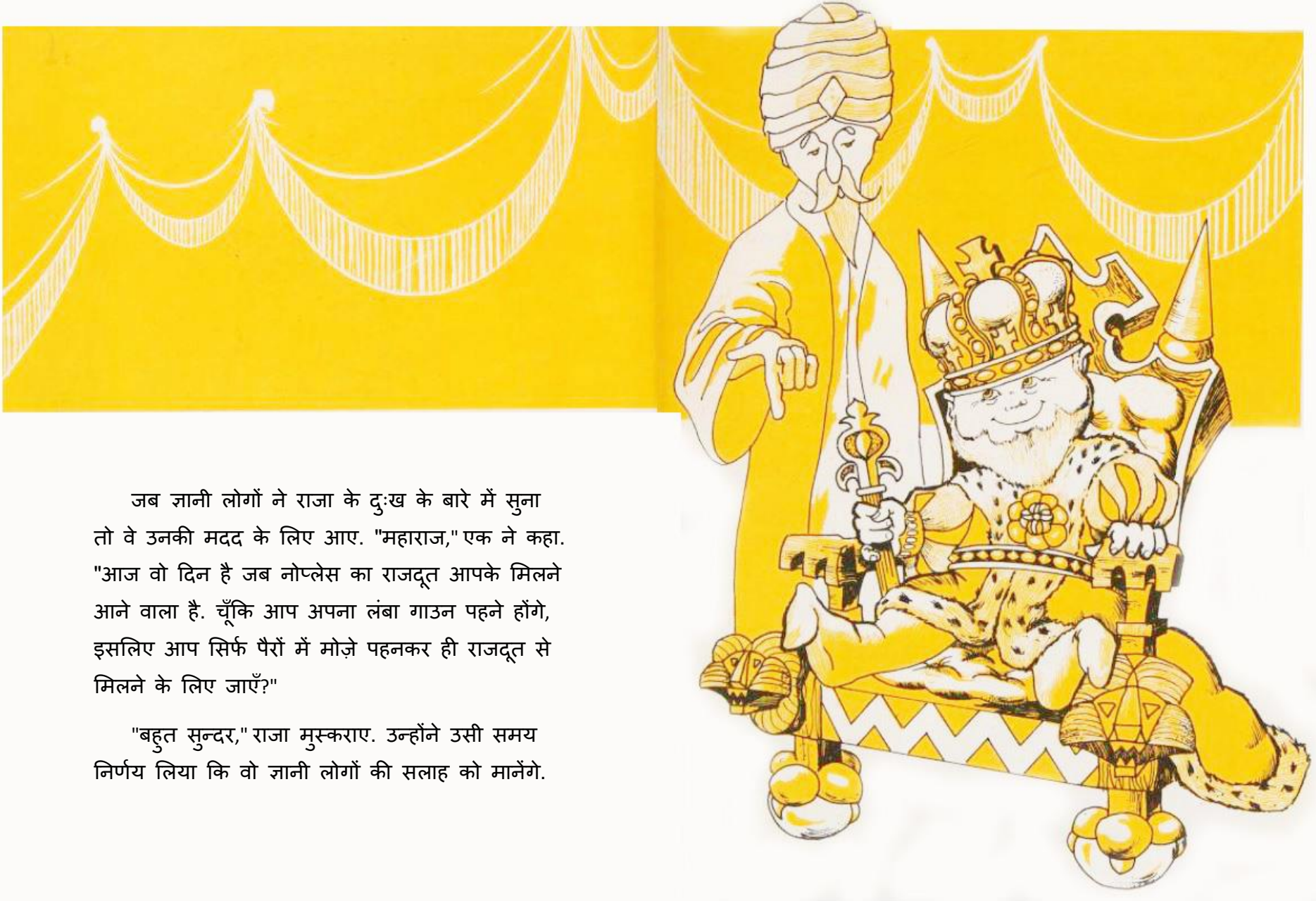

जब ज्ञानी लोगों ने राजा के दुःख के बारे में सुना तो वे उनकी मदद के लिए आए. "महाराज," एक ने कहा. "आज वो दिन है जब नोप्लेस का राजदूत आपके मिलने आने वाला है. चूँकि आप अपना लंबा गाउन पहने होंगे, इसलिए आप सिर्फ पैरों में मोज़े पहनकर ही राजदूत से मिलने के लिए जाएँ?"

"बहुत सुन्दर," राजा मुस्कराए. उन्होंने उसी समय निर्णय लिया कि वो ज्ञानी लोगों की सलाह को मानेंगे.

लेकिन वो पत्थर के आंगन में पांच-छह कदम ही गए होंगे जब वो और अधिक खड़े नहीं रह पाए. पथरीले, नुकीले पत्थर उनके कोमल पैरों के तलवों को टोंचने लगे. राजा वापस महल में गए और उन्होंने ज्ञानी लोगों को बुलवाया. "पैरों में सिर्फ मोज़े," उन्होंने डाँटा. "और तुम लोग खुद को बुद्धिमान कहते हो?"

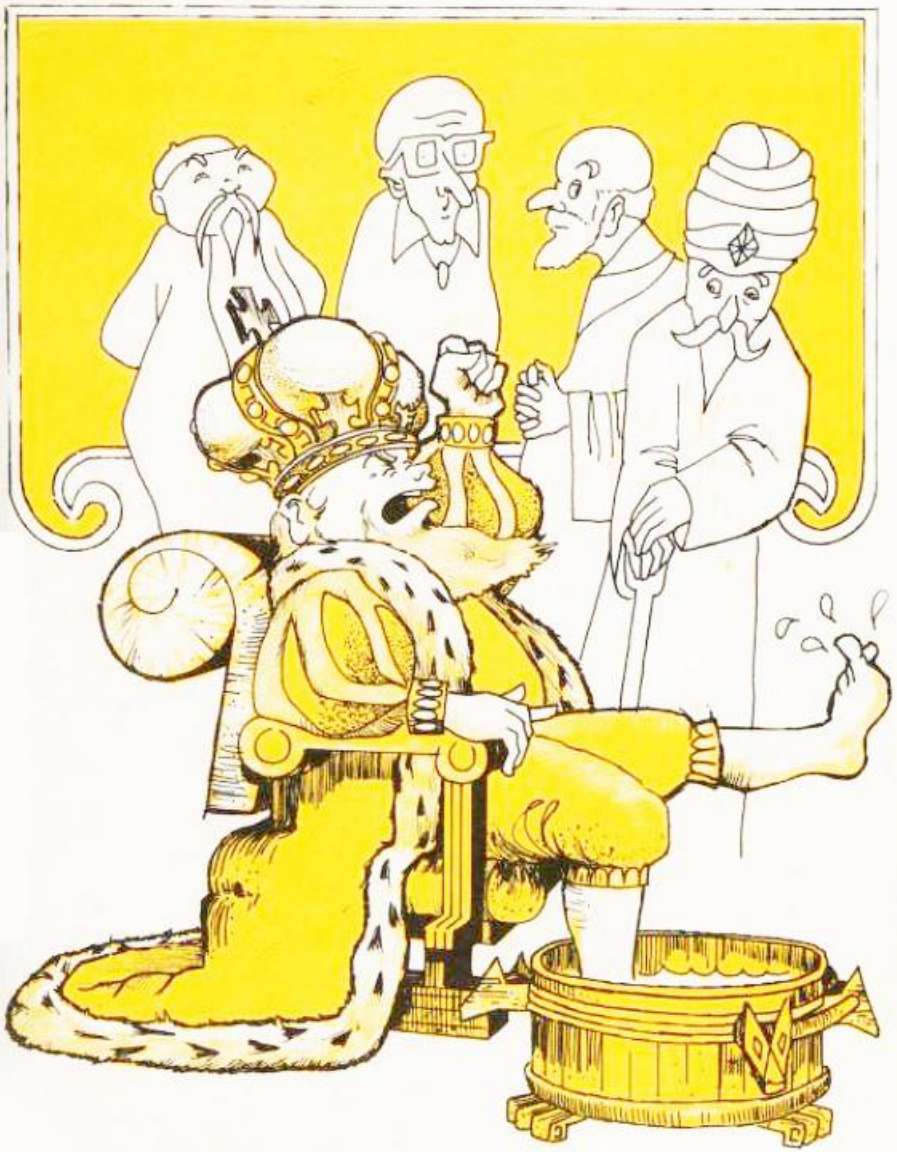

ज्ञानी लोगों ने बहाना बनाया और वे इतनी हड़बड़ी में कमरे से बाहर निकले कि वे एक-दूसरे पर गिर पड़े.

बाद में उसी दिन राजा के बेटे ने महामहिम को एक ऐसे धावक के बारे में बताया जिसने राज्य में हर ट्रैक रिकॉर्ड तोड़ा था. राजा ने दिलचस्पी दिखाई. "वो धावक किस तरह के जूते पहनता है?" राजा ने बड़ी उम्मीद से पूछा.

"मुझे नहीं पता," राजकुमार ने उत्तर दिया, "लेकिन मैं पता लगाकर आपको बताऊंगा!"

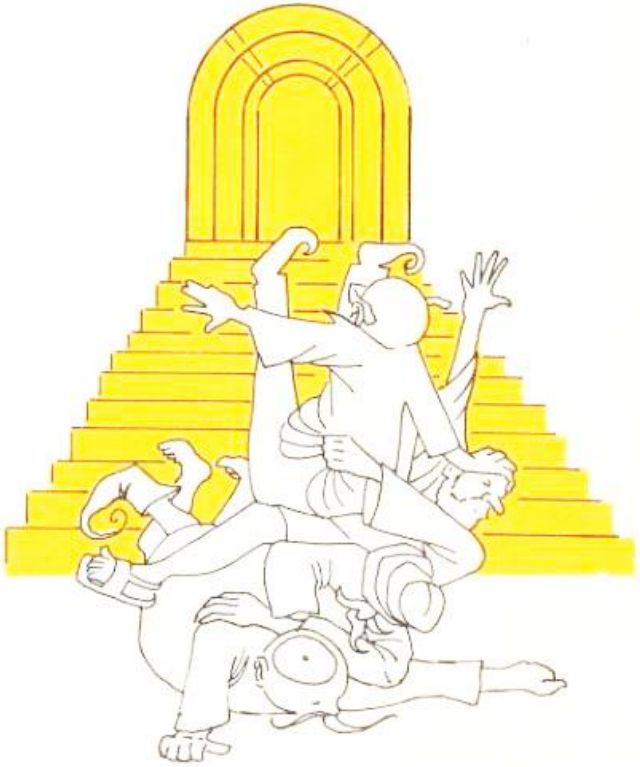

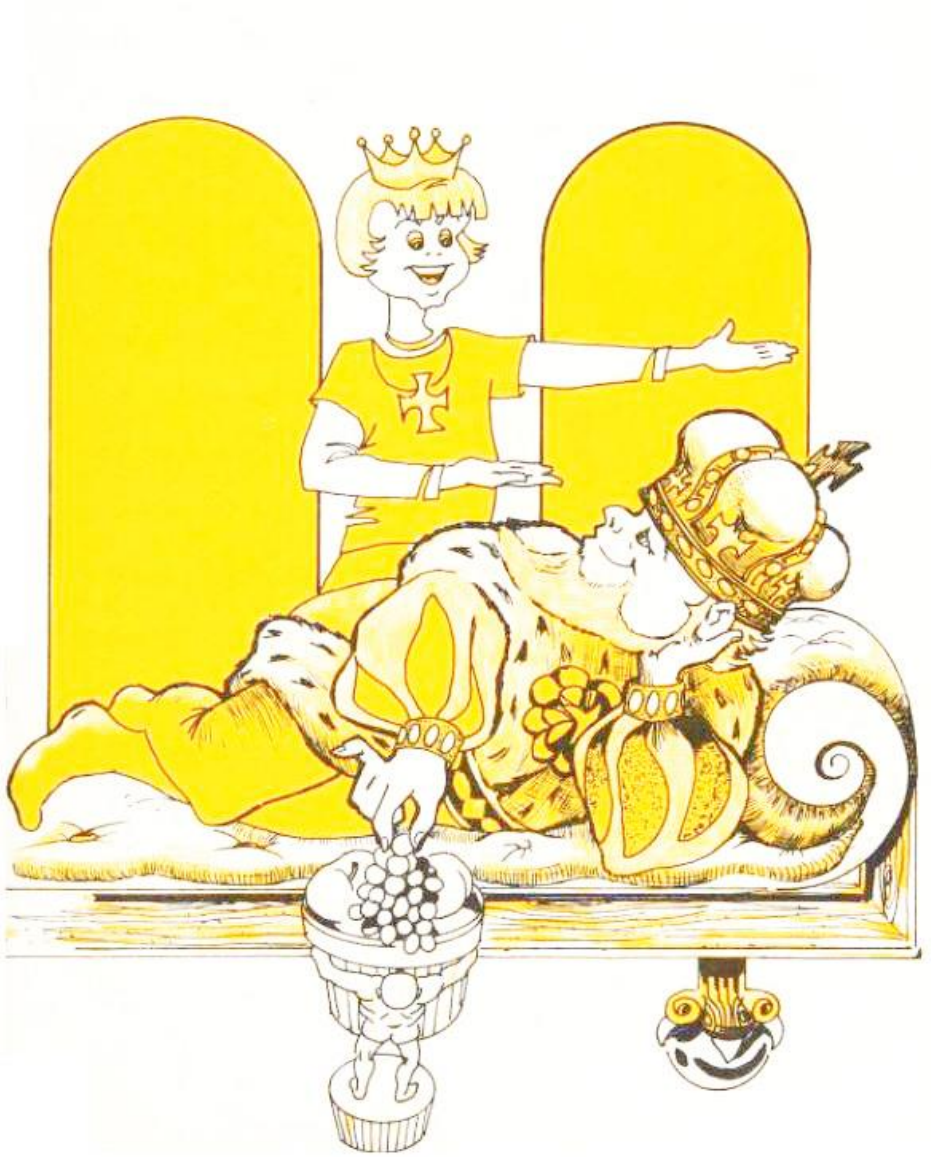

अभी भोजन का समय नहीं हुआ था तभी राजकुमार अपने पिता के लिए दौड़ने वाले जूतों की एक जोड़ी लेकर महल में लौटा.

"वो पहनने में ठीक लग रहे हैं!" राजा ने कहा. "देखो, मैं अपने पैर की उंगलियों को आराम से हिला-डुला सकता हूं!"

करीब दो दिन तक सब ठीक चला. जूते नहीं चुभे. राजा के पैर में जूतों ने नहीं काटा. कोई फफोला भी नहीं पड़ा. लेकिन तभी राजमहल की एक नौकरानी रोते हुए राजा के पास आई. "महामहिम," वो फुसफुसाई, "उन जूतों की कीलें फर्श को खरोंच रही हैं और संगमरमर की सीढ़ियों में दाग बना रही हैं. मैं फर्श को पॉलिश नहीं रख सकती यदि आप ... यदि आप...." और फिर वो फूट-फूटकर रोने लगी.

"बहुत अच्छा," राजा ने एक आह के साथ उसे रोका. "कृपया मत रोओ. अब मुझे कुछ और सोचना होगा."

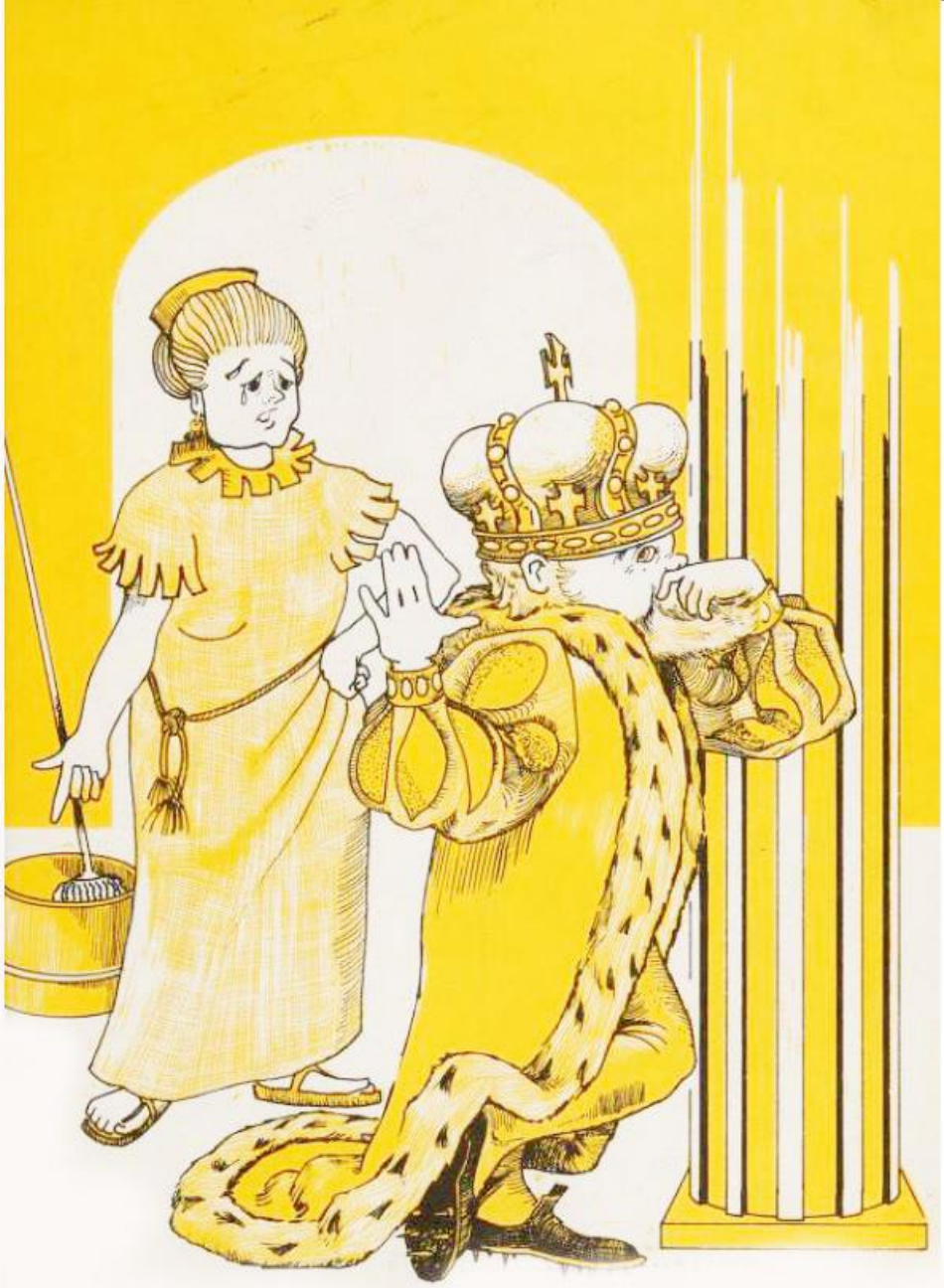

इसलिए, बाकी बारिश के मौसम में राजा, ओवरसाइज़ जूते पहनकर ही इधर-उधर घूमे. लेकिन जब मौसम गर्म हुआ, तो राजा के पैर गर्म होकर इतने सूज गए कि जूते उतारने में पूरे दरबार को लगना पड़ा!

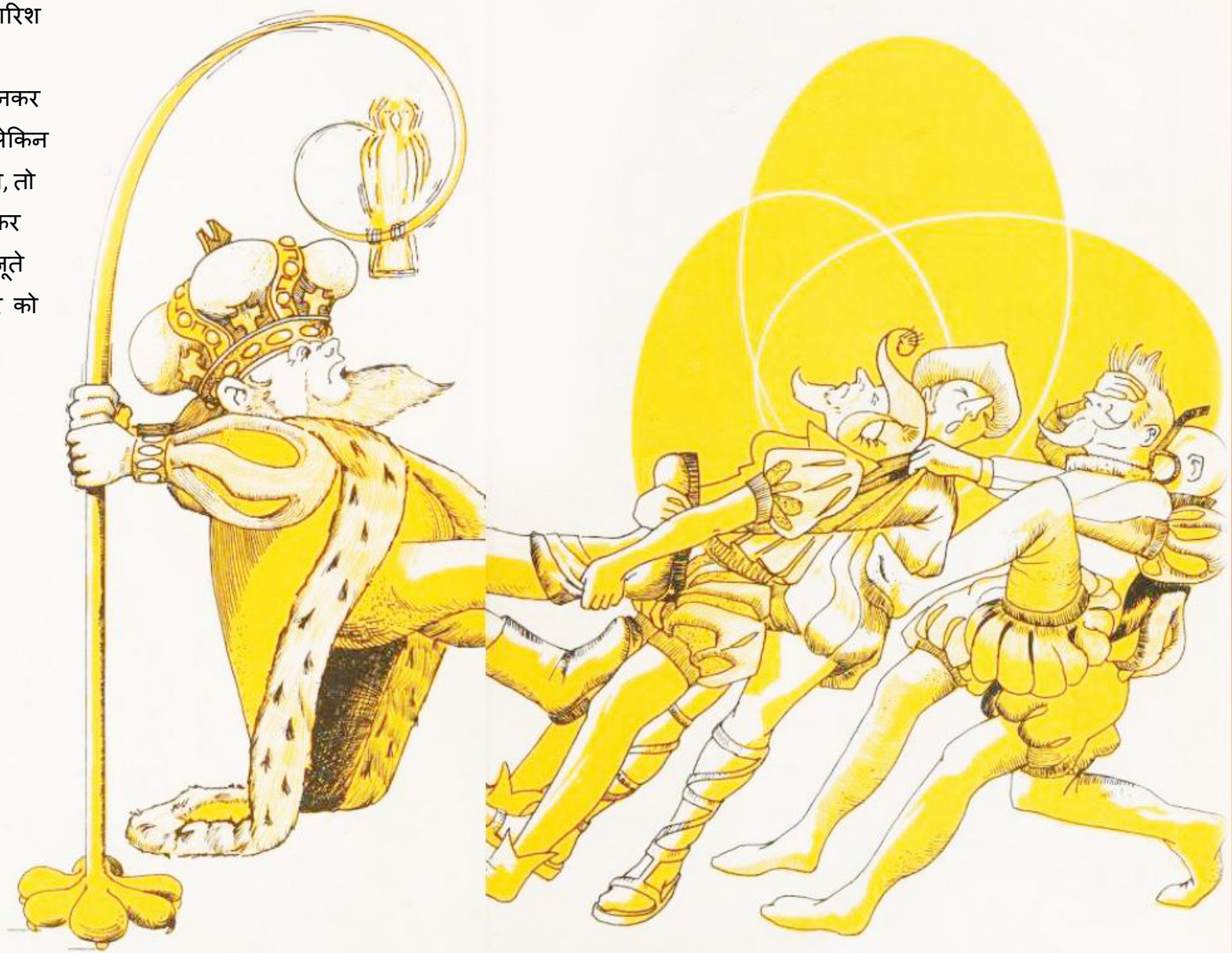

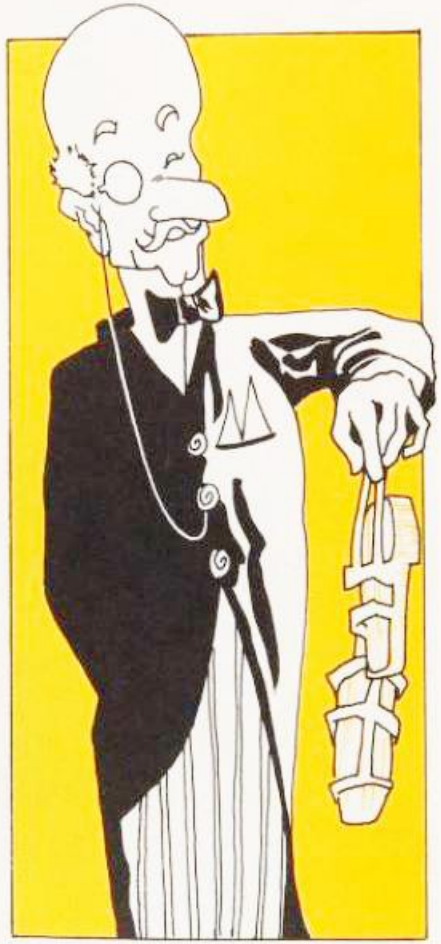

फिर राजा का पुराना मित्र, द काउंट ऑफ नो अकाउंट, राजा की दुर्दशा को लेकर काफी चिंतित हुआ. एक दिन, वो महामहिम के पहनने के लिए रोमन जूतों की एक जोड़ी लाया. राजा बहुत खुश हुए. उन्हें लगा कि आखिरकार उनकी मुसीबतें खत्म हो गईं थीं. लेकिन जैसे ही उन्होंने पैर रखा जूता सिंहासन टकराया और उसने शाही मुहर गिरा दी. उससे राजा बहुत परेशान हुए.

"ठीक है!" राजा ने घोषणा की जिसके बाद तर्क के लिए बहुत कम जगह ही बची. "अब से मैं बस नंगे पांव चलूंगा."

लेकिन अफसोस, प्रधान मंत्री को वो एक मिनट के लिए भी सहन नहीं हुआ. प्रधान मंत्री तब तक चिल्लाए जब तक कि राजा और सहन नहीं कर सके.

उसके बाद थके-मांदे राजा अपने पैरों को नरम, हरी घास पर ठंडा करने के लिए बगीचे में चले गए. लेकिन जैसा कि किस्मत में लिखा था, उन्होंने एक ततैया पर अपना पांव रख दिया! बेशक, ततैया ने वही किया जो वो करना जानती थी. उसने उन्हें ज़ोर से डंक मारा. एक चीख के साथ बेचारे राजा लंगड़ाकर बगीचे के गेट के पास एक बेंच पर जा गिरे.

"हे भगवान मैं तो नंगे पांव भी नहीं चल सकता," कमल के ताल में अपने पैर भिगोते हुए राजा ने कहा. "मैंने सब प्रयास किए! क्या कोई ऐसा नहीं है जो मेरी मदद कर सके?"

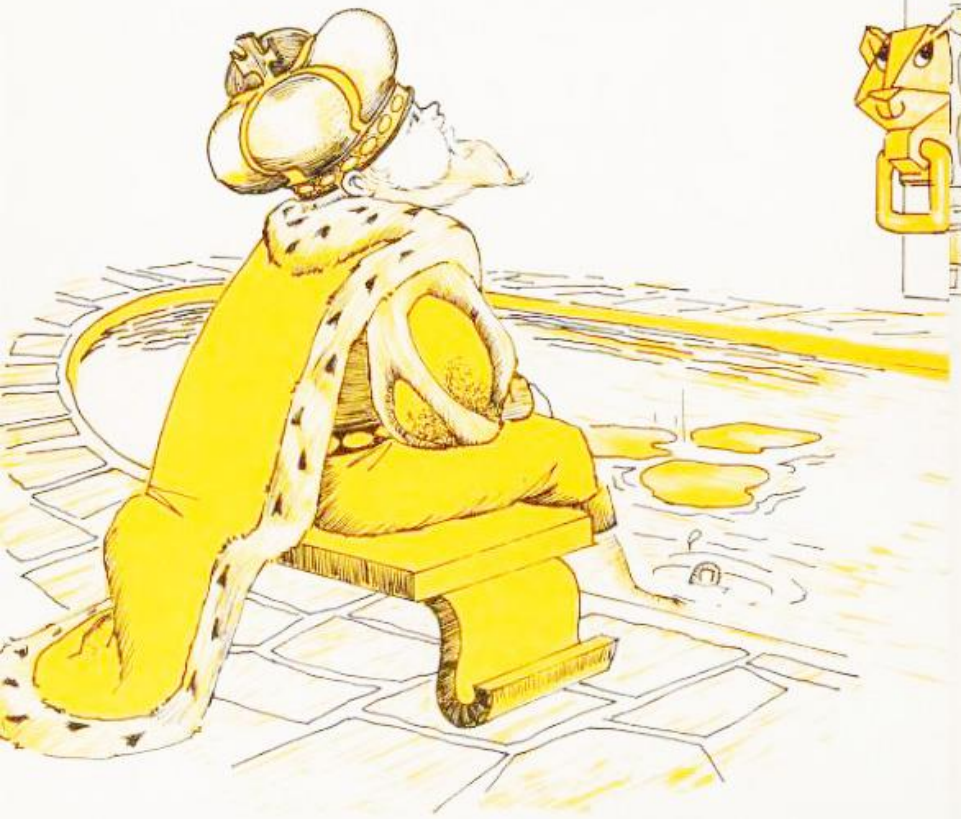

"मैं मदद कर सकता हूँ, महामहिम," एक छोटी आवाज़ ने कहा.

राजा ने आश्चर्य से ऊपर देखा. "तुम कौन हो?" राजा ने चारों ओर देखते हुए पूछा.

"मैं वो हूँ," गेट के बाहर खड़े एक युवा लड़के ने उत्तर दिया.

"तुम कौन हो?"

"मैं चिप हूँ. मुझे देखें, महामहिम." फिर चिप बगीचे की दीवार के ऊपर चढ़ा और उस पर हल्के से उछला. फिर वो एक पेड़ से नीचे सरका और बगीचे के चारों ओर झाड़ियों के ऊपर छलांग लगाते हुए ऐसे दौड़ा जैसे उसके पैरों में पंख लगे हों.

राजा उसे बड़े आश्चर्य से देखता रहा. "यहाँ आओ, बेटा," राजा ने आखिर में कहा. "मुझे बताओ, तुमने अपने पैरों में क्या पहना है?"

चिप, राजा के पास बैठ गया और उसने दिखाने के लिए अपना एक पैर ऊपर उठाया. "उन्हें स्नीकर्स कहते है." चिप ने समझाया. "सभी बच्चे उन्हें पहनते हैं, क्या आप उनके बारे में नहीं जानते हैं?"

"नहीं," राजा ने कबूल किया. "मुझे उनके बारे में बिल्कुल नहीं पता." राजा ने सोच-समझकर जूतों की जांच की. "स्नीकर्स ..."

"हाँ सर," चिप मुस्कुराया. "वे बहुत मज़ेदार होते हैं."

"हाँ, वो मैं देख रहा हूँ," राजा ने कहा. राजा सोच रहा था कि क्या प्रधान मंत्री उन्हें उन जूतों को पहनने की स्वीकृति देंगे. कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कोई जोखिम लेने का फैसला लिया. "चिप, क्या तुम्हें लगता है ... क्या तुम्हें... मेरा मतलब है ..."

राजा ने चिप के कंधे पर हाथ रखा और उन्होंने उसके कान में कुछ फुसफुसाया. फिर उसने सोने के कुछ सिक्के उसे दिए और उसके लिए द्वार खोल दिया. चिप बगीचे से बाहर निकला और पहले की तुलना में अधिक तेजी से सड़क पर दौड़ा.

उस शाम चिप, राजा के लिए एक पैकेज के साथ महल के द्वार पर लौटा. पहरेदारों ने उसे तब तक अंदर नहीं आने दिया जब तक कि राजा खुद ऊपर की खिड़की से चिल्लाकर नहीं बोले, "नीचे के हंगामे को बंद करो, और लड़के को मेरे पास तुरंत भेजो, क्या तुमने सुना?"

फिर सिंहासन कक्ष से गुज़रते हुए चिप को, महल में राजा के कक्ष में ले जाया गया.

उस दिन के बाद से, किसी ने भी अपलैंड के राजा को अपने पैरों के बारे में शिकायत करते हुए नहीं सुना. राजा हर शाही जुलूस में पैदल चलते थे, अपलैंड बॉल डांस में नृत्य करते थे, अस्पतालों और अनाथालयों का दौरा करते थे और वो सब काम भी करते थे जो प्रधानमंत्री उन्हें बताते थे. राजा हमेशा लंबे, लहराते लबादे पहनते थे जिससे वो हर इंच राजा जैसे दिखें. पर सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह था कि उनके कपड़े उनके पैरों को छिपाते थे!

और जब भी राजा लोगों के सामने प्रकट होते तो चिप नाम का एक लड़का ठीक उनकी बगल में चलता था. दोनों के बीच में एक रहस्य था, और केवल वे दोनों ही उसे जानते थे.